श्रम तथा रोजगार विभाग

दिनांक 1 फरवरी, 1985

क्रमांक 10 (178)80-2 रोज.—कर्मचारी राज्य बीमा अधिनियम, 1948 (1948 का केन्द्रीय अधिनियम 34) की धारा 91-क के साथ पढ़ते हुए धारा 87 द्वारा प्रदान की गई शक्तियों का प्रयोग करते हुए और कर्मचारी राज्य बीमा निगम के साथ परामर्श करने के पश्चात् हरियाणा के राज्यपाल इसके द्वारा हरियाणा पर्यटन निगम को पहली अप्रैल, 1984 से इकत्तीस मार्च, 1985 तक उक्त अधिनियम के प्रवर्तन से छूट देते हैं ।

म० सेठ,

सचिव, हरियाणा सरकार,
श्रम तथा रोजगार विभाग।

LABOUR AND EMPLOYMENT DEPARTMENTS

The 1st February, 1985

No. 10(178)80-2E.—In exercise of the powers conferred by section 87 read with seetion 91-A of the Employees' state Insurance Act, 1948 (Central Act 34 of 1948), and after consultation with the Employees' State Insurance Corporation, the Governor of Haryana hereby exempts the Haryana Tourism Corporation from the operation of the said Act, with effect from the 1st April, 1984 to 31st March, 1985.

M. SETH,

Secretary to Government, Haryana,
Labour and Employment Department.

श्रम विभाग

दिनांक 12 फरवरी, 1985

क्रमांक 3(127)83-3श्रम.—न्यूनतम मजदूरी अधिनियम, 1948 (1948 का केन्द्रीय अधिनियम, II) की धारा 27 द्वारा प्रदान की गई शक्तियों तथा हरियाणा सरकार, श्रम विभाग अधिसूचना क्रमांक 3(127)-83-3श्रम, दिनांक 9 मई, 1984 के प्रति निर्देश से और इस निमित्त उन्हें समर्थ बनाने वाली सभी अन्य शक्तियों का प्रयोग करते हुए, हरियाणा के राज्यपाल इसके द्वारा निम्नलिखित रोजगार को उसमें कार्य पर लगे कर्मकारों के लिए मजदूरी की न्यूनतम दरें नियत करने के प्रयोजन के लिए उक्त अधिनियम की अनुसूची के भाग I में जोड़ते हैं:—

संशोधन

उक्त अधिनियम में अनुसूची के भाग I में निम्नलिखित रोजगार अन्त में जोड़ दिया जाएगा, अर्थात्:—

"45 किसी भी रूप में, साबुन, अन्य धुलाई उत्पादों, कृत्रिम प्रक्षालकों तथा अंग रागों का विनिर्माण ।"

म० सेठ,

सचिव, हरियाणा सरकार,
श्रम तथा रोजगार विभाग ।

LABOUR DEPARTMENT

The 12th February, 1985

No. 3 (127) 83-3 Lab.—In exercise of the powers conferred by section 27 of the Minimum Wages Act, 1948 (Central Act II of 1948) and with reference to Haryana Government, Labour Department

notification No. 3(127)-83-3Lab, dated the 9th May, 1984 and all other powers enabling him this behalf, the Governor of Haryana hereby adds the following employment in Part I of the Schedule to the said Act, for the purpose of fixing the minimum rates of wages for workers employed therein:—

AMENDMENT

In the said Act, in the Schedule in Part I the following employment shall be added at the end, namely:—

"45 Manufacture of soap in any form, other washing products, synthetic detergents and cosmetics".

M. SETH,
Secretary to Government, Haryana,
Labour and Employment Departments.

PUBLIC WORKS DEPARTMENT

BUILDINGS AND ROADS BRANCH

The 14th March, 1985

No. 4/158-B&R (Estt.)-2-83.—In pursuance of the provisions under rules 8 (9) of the Punjab Service of the Engineers, Class I, P. W. D. (B & R) Branch Rules, 1960, the Governor of Haryana is pleased to declare in consultation with the Haryana Public Service Commission, Shri T. D. Aneja, Officiating Executive Engineer as suitable for appointment to the Haryana Service of Engineers, Class I (Civil), P. W. D., B & R Branch, as per recommendation of Screening Committee held on 7th May, 1984.

This will be without prejudice to the claims of other officers who may be considered suitable for promotion.

KIRAN AGGARWAL,
Commissioner and Secretary to Government, Haryana,
Public Works Department, Buildings and Roads Branch,
Chandigarh.

CO-OPERATION DEPARTMENT

The 19th March, 1985

No. 1650-C-VI-85/8710.—The Governor of Haryana is pleased to constitute the State Level Committee to monitor the flow of working capital to handloom sector in the State and to appoint the following as its Chairman and members :—

(1)	Registrar, Co-operative Societies, Haryana	Chairman
(2)	Additional Registrar (Marketing), Co-operative Societies	Member
(3)	Director of Industries, Haryana	Do
(4)	Managing Director, the Haryana State Co-operative Bank, Chandigarh	Do
(5)	Deputy Chief Officer (ACD) now NABARD, Chandigarh or his nominee	Do
(6)	Managing Director, the Haryana State Co-operative Weavers Apex Society, Panipat	Do
(7)	Managing Director, the Karnal Central Co-operative Bank, Karnal	Do
(8)	Managing Director, the Bhiwani Central Co-operative Bank, Bhiwani	Do
(9)	Shri K. L. Ahuja, the Lucky Handloom Production-cum-Industrial Co-operative Society and Chairman, the Haryana State Co-operative Weavers Apex Society, Panipat	Do

10. Shri Devender Nath Vij, 394, Model Town, Panipat .. Member

11. Shri Balbir Pal Shah, General Secretary, Pardesh Congress (I), Insar Chowk, Panipat .. Do

12. Deputy Registrar (Industrial) Co-operative Societies, Haryana .. Convener

2. The Committee shall meet monthly under the Chairmanship of the Register, Co-operative Societies, Haryana. The Deputy Registrar (Industrial) Co-operative Societies, Haryana, Chandigarh as Convener of the Committee will prepare agenda for each such meeting and circulate it among the members of the Committee.

3. Chairman, Haryana State Co-operative Handloom Weavers Apex Society Ltd., Panipat being the non-official member will draw his T.A./D. A. from the above Society at the rates admissible to him. The T.A./D. A. bills of the other non-official members will be countersigned by the Registrar, Co-operative Societies, Haryana being the Controlling Officer. The expenditure will be met out of the savings of the budget provided for the year and out of the departmental head, "298-Co-operation".

4. The Committee will continue to function for one year.

5. The Headquarters of the Committee shall be at Chandigarh.

KULWANT SINGH,

Financial Commissioner and Secy.

राजस्व विभाग

युद्ध जागीर

दिनांक 15 मार्च, 1985

क्रमांक **87-ज-(II)-85/8275.**—श्री इन्द्राज, पुत्र श्री अमाला, गांव सासरौली, तहसील कोसली (पहले झज्जर), जिला रोहतक, की दिनांक 30 सितम्बर, 1980 को हुई मृत्यु के परिणामस्वरूप, हरियाणा के राज्यपाल, पूर्वी पंजाब युद्ध पुरस्कार अधिनियम, 1948 (जैसा कि उसे हरियाणा राज्य में अपनाया गया है और उसमें आज तक संशोधन किया गया है) की धारा 4 एवं 2(ए)(1ए) तथा 3(1ए) के अधीन प्रदान की गई शक्तियों का प्रयोग करते हुये श्री इन्द्राज की मुल्लिग 300 रुपये वार्षिक की जागीर जो उसे हरियाणा सरकार की अधिसूचना क्रमांक 2400-र-III-69/16491, दिनांक 3 जुलाई, 1969, 5041-आर-III-70/29505, दिनांक 8 दिसम्बर, 1970 तथा 1789-जे-(I)-79/44040, दिनांक 30 अक्तूबर, 1979 द्वारा मंजूर की गई थी, अब उसकी विधवा श्रीमती पुषा देवी के नाम रबी, 1981 से 300 रुपये वार्षिक की दर से सनद में दी गई शर्तों के अन्तर्गत प्रदान करते हैं।

क्रमांक **214-ज(II)-85/8280.**—श्री नारायण सिंह, पुत्र श्री मेहर चन्द, गांव खानपुर खुर्द, तहसील कोसली (पहले झज्जर), जिला रोहतक की दिनांक 25 अगस्त, 1982 को हुई मृत्यु के परिणामस्वरूप, हरियाणा के राज्यपाल, पूर्वी पंजाब युद्ध पुरस्कार अधिनियम, 1948 (जैसा कि उसे हरियाणा राज्य में अपनाया गया है और उसमें आज तक संशोधन किया गया है) की धारा 4 एवं 2(ए)(1ए) तथा 3(1ए) के अधीन प्रदान की गई शक्तियों का प्रयोग करते हुये श्री नारायण सिंह की मुल्लिग 150 रुपये वार्षिक की जागीर जो उसे हरियाणा सरकार की अधिसूचना क्रमांक 36-ज-(II)-77/3676, दिनांक 10 फरवरी, 1977 द्वारा मंजूर की गई थी, अब उसकी विधवा श्रीमती चन्द्रो देवी के नाम रबी, 1983 से 300 रुपये वार्षिक की दर से सनद में दी गई शर्तों के अन्तर्गत प्रदान करते हैं।

टी० आर० तुली,

अवर सचिव, हरियाणा सरकार,
राजस्व विभाग।